Indira Gandhi National Open University

Regional Centre, 5-C/INS-1, Sector-5, Vrindavan Yojna, Telibagh, Lucknow - 226 024

Report of Workshop on Intellectual Property Rights

IGNOU Regional Centre Lucknow organized has a Workshop in hybrid mode on Intellectual Property Rights on Thursday, 9th November, 2023 at Regional Centre, Lucknow through financial assistance received from Council of Science & Technology, UP Govt.

More than 200 students attended the workshop along with Coordinator, Academic Counsellors and staff members.

Dr. Pradeep Srivastava, Executive Director, Technology Information Forecasting and Assessment Counsil, Ministry of Science & Technology, Govt. of India was the Chief Guest of the function and gave the inaugural address through virtual mode.

Dr. Kirti Vikram Singh, Assistant Regional Director and Convenor of the Workshop in his opening remarks informed about the objective of the workshop. He said that this workshop is designed in such a way that the learners will get awareness on copyrights, trademarks, patents, geographical indication of goods etc.

Dr. Manorama Singh, Senior Regional Director, IGNOU, Regional Centre, Lucknow in her address welcomed all the dignitaries and guests. She highlighted the programmes offered by IGNOU School of Law on Intellectual Property Rights & Patents and motivated the learners to join these programmes for getting more information about Intellectual Property Rights.

Prof. Bharat Raj Singh, Director General, School of Management Sciences (SMS), Lucknow focused on copyright act 1957 and informed the learners that a protection under this act can be obtained for original literary, dramatic, music, artistic and related works.

Dr. Harikesh Bahadur Singh, Distinguished Professor, GLA University, Mathura in his address highlighted the procedure of acquiring patent. In his presentation he gave detailed information regarding various acts related to Intellectual Property.

Dr. Varun Chhachhar, Member Higher Education Council, UP Govt. and Professor in Law, University of Lucknow in his address informed about the provisions of Patent Act 1970 and Protection of Plant Varieties and Farmers Rights Act.

Smt. Pooja Yadav, Joint Director, Council of Science & Technology, UP Govt. in her address described in detail the schemes offered by the council for young scientist and innovators and motivated the learners to take benefit from them.

Mrs. Anandi Agarwal, Chairperson (Women Entrepreneur Cell), Indian Industries Association gave her presentation on Innovative Idea and Entrepreneurship.

Certificates were distributed to the students participated in the programme.

कार्यशाला में बंटे प्रमाणपत्र

■ एनबीटी, लखनऊः इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में गुरुवार को बौद्धिक सम्पदा संरक्षण(आईपीआर) कार्यशाला में गुरुवार को लोगों को बौद्धिक सम्पदा संरक्षण की जानकारी दी गई और आईपीआर से जुड़े कानून के विषय में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में भारत सरकार के कार्यकारी निदेशक डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव वर्चुअली जुड़े। इग्नू की वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ मनोरमा सिंह ने विधि संकाय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों जैसे बौद्धिक संपदा अधिकारों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, पेटेंट प्रैक्टिस में पीजी प्रमाणपत्र, साइबर कानून के बारे में लोगों को नामांकन के लिए प्रेरित किया। उद्गम वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग से जूट क्रॉफ्ट में प्रशिक्षित 20 और पीएमकेवीवाई स्किल हब इनीशिएटिव में स्विंग मशीन ऑपरेटर में प्रशिक्षित 25 महिलाओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम जन शिक्षण संस्थान गोमतीनगर के निदेशक एके श्रीवास्तव, उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य डॉ वरुण छाछड़ मौजूद रहे।

बौद्धिक सम्पदा संरक्षण पर कार्यशाला

स्वतंत्रभारत संवाददाता, लखनऊ। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू क्षेत्रीय केंद्र,विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार के जन शिक्षण संस्थान गोमती नगर के संयुक्त तत्वावधान में बौद्धिक सम्पदा संरक्षण आई पी आर कार्यशला का आयोजन किया गया जिसके माध्यम से लोगों को बौद्धिक सम्पदा संरक्षण के विषय में जानकारी दी गई तथा आई पी आर से जुड़े कानून के विषय में जागरुक किया गया । मुख्य अथिति डॉ प्रदीप श्रीवास्तव कार्यकारी निदेशक टाईफैक भारत सरकार ने वर्चुअल सम्बोधन कहा कि बौद्धिक संपदा संरक्षण वैश्वीकरण के इस युग में

बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। विचारों की सुरक्षा के बिना व्यक्ति अपने आविष्कारों का पूरा लाभ नहीं उठा पाएंगे । इग्नू की वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ मनोरमा सिंह ने विधि संकाय द्वारा संचालित पाठ्यकर्मों जैसे बौद्धिक सम्पदा अधिकारों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, पेटेंट प्रैक्टिस में स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र , साइबर कानून में स्नातकोत्तर के बारे में जागरुक कर लोगों को नामांकन के लिए प्रेरित किया। डॉ हरिकेश बहादुर प्रोफ़ेसर जी एल ए विश्विद्यालय मथुरा ने पेटेंट अधिनियम की जानकारी देते हुए पेटेंट फाइलिंग की प्रक्रिया बताई।

बौद्धिक सम्पदा संरक्षण पर इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ(बीएनटी संवाददाता)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू क्षेत्रीय केंद्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार के जन शिक्षण संस्थान गोमती नगर के संयुक्त तत्वावधान में बौद्धिक सम्पदा संरक्षण आईपीआर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसके माध्यम से लोगों को बौद्धिक सम्पदा संरक्षण के विषय में जानकारी दी गई तथा आईपीआर से जुड़े कानून के विषय में जागरुक किया। मुख्य अतिथि, डॉ प्रदीप श्रीवास्तव कार्यकारी निदेशक टाईफैक भारत सरकार ने वर्चुअल सम्बोधन कहा कि बौद्धिक संपदा संरक्षण वैश्वीकरण के इस युग में बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। विचारों की सुरक्षा के बिना व्यक्ति अपने आविष्कारों का पूरा लाभ नहीं उठा पाएंगे। इग्नू के सहायक क्षेत्रीय निदेशक, डा. कीर्ति विक्रम सिंह ने सभी अतिथियों, सह भगियो, अध्यापक व छात्र और छात्राओं का कार्यशाला में स्वागत किया। इग्नू की वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ मनोरमा सिंह ने विधि संकाय द्वारा संचालित पाठ्यकर्मों जैसे बौद्धिक सम्पदा अधिकारों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, पेटेंट प्रैक्टिस में स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र, साइबर कानून में स्नातकोत्तर के बारे में जागरुक कर लोगों को नामांकन के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विशिष्टवक्ता, डा. भरत राज सिंह, महानिदेशक स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, जो एक ख्यातिपूर्ण वरिष्ठ वैज्ञानिक व पर्यावरणविद हैं ने बताया कि इंसान के मस्तिष्क से जो नई रचनात्मक कृति पैदा होती है, वह उसकी बौद्धिक सम्पदा के श्रेणी में आता है स उसके द्वारा सृजित कोई संगीत, साहित्यिक कृति, कला, खोज, प्रतीक, नाम, चित्र, डिजाइन, कापीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेन्ट आदि को संरक्षित करने को ही आईपीआर कहते हैं।उन्होंने इसके कई उदाहरण दिए और बताया कि वैदिक काल से ही भारतवर्ष एक समृद्धि देश रहा है। आज भारत विश्व में पेटेंट व अन्य रजिस्ट्रेशन में छठे स्थान पर है। प्रो. वरुण छच्छर, जो विधि विश्वविद्यालय से एसोसिएट प्रोफेसर हैं, उन्होंने आईपीआर के विभिन्न 7 आयामों व आईपीआर के अधिनियम पर प्रकाश डाला। डॉ हरिकेश बहादुर प्रो. जीएलए विश्विद्यालय मथुरा ने पेटेंट अधिनियम की जानकारी देते हुए पेटेंट फाइलिंग की प्रक्रिया बताई। अंत में पूजा यादव, जो संयुक्त निदेशक उत्तर प्रदेश विज्ञान व प्रद्योगिकी लखनऊ हैं, ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

- Senior Regional Director